Exam. Code : 216302
Subject Code: 5345

M.A. (Hindi) 2nd Semester (Batch 2021-23)

ADHUNIK HINDI KAVYA (Chhayavadotar Kaal)

Paper—VI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

सूचना :— प्रत्येक भाग में से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्न करें। पाँचवा प्रश्न किसी भी भाग में से किया जा सकता है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

भाग—क

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 2×8=16

(क) जहां नंगे अंधेरों को
और भी उघाड़ता रहा है
एक नंगा, तीखा, निर्मम प्रकाश
जिसमें कोई प्रभामण्डल नहीं बनते
केवल चौंधियाते हैं तथ्य-तथ्य-तथ्य

(ख) श्रेय कुछ नहीं मेरा :
मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब कुछ को सौंप दिया था-
सुना आपने जो वह मेरा नहीं
न वीणा का था :

Scanned with CamScanner

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 2×8=16

(क) और इसलिए मैं हर गली में
और हर सड़क पर
झाँक-झाँक कर देखता हूँ, हर एक चेहरा
प्रत्येक गतिविधि/प्रत्येक चरित्र,
प्रत्येक मानवीय स्वानुभूत आदर्श
विवेक प्रक्रिया, क्रियागत परिणति।

(ख) हर तरफ सन्नाटा है।
दरिद्र की व्यथा की तरह
उचाट और कूँथता हुआ।
घृणा में/डूबा हुआ सारा का सारा देश
पहले की ही तरह आज भी
मेरा कारागार है।

भाग—ख

3. 'आसाध्य वीणा' कविता के प्रतिपाद्य और शिल्प पर प्रकाश डालिए। 16

4. छायावादोत्तर काव्य-आन्दोलन में अज्ञेय का स्थान निर्धारित कीजिए। 16

भाग—ग

5. मुक्तिबोध की कविताओं के शिल्पगत सौन्दर्य पर विचार कीजिए। 16

Scanned with CamScanner

6. 'अंधेरे में' कविता के आधार पर मुक्तिबोध की जीवन दृष्टि पर प्रकाश डालिए। 16

भाग—घ

7. 'धूमिल जनवादी चेतना के कवि हैं' -- युक्ति-युक्त उत्तर दीजिए। 16

8. भारत भूषण अग्रवाल का साहित्यिक परिचय दीजिए। 16

Scanned with CamScanner